Total Pages : 3 Roll No. .....

BASL-302

वेद एवं उपनिषद

कला में स्नातक-(बी.ए.)

तृतीय वर्ष- सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. अधोलिखित मन्त्र की व्याख्या कीजिए:

"इन्द्रस्य नु वीर्याणि प्रोवाचं
यानि चकार प्रथमानि वज्री।
अहनूहिमन्वपस्तर्व
प्रवक्षण अभिनत्पर्वतानाम्।।"

2. अग्रलिखित मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

"न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो
लप्स्यामहे वित्तभद्राक्ष्म चेत् त्वा।
जीविष्यामो यावदीशिष्यसि त्वं
वरस्तु में वरणीय: स एव।।"

3. उपनिषद् का अर्थ लिखकर उनका रचनाकाल तथा प्रमुख उपनिषदों का परिचय दीजिए।

4. वैदिक संहिताओं का परिचय देकर वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

5. ऋग्वेद के शाखा तथा भेद का वर्ण्य विषय लिखते हुए तत्कालीन धर्म संस्कृति एवं समाज का वर्णन करें।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. वैदिक सूक्तों में पठित चार देवताओं का वर्णन करें।

2. कठोपनिषद् के आधार पर नचिकेता का वर्णन कीजिए।

3. "ऋषयो मन्त्र द्रष्टारः" पर टिप्पणी लिखिए।

4. अधोलिखित मन्त्र का भावार्थ लिखिए:
"यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवन्तदुसुप्तस्य तथैवैति दूरंगमन्ज्योषिता ज्योतिरेकन्तन्मेमनः शिवसंकल्पमस्तु"।

5. सामवेद का स्वरूप तथा वर्ण्य विषय क्या है?

6. वेदाध्ययन के लिए व्याकरण की उपयोगिता विषय पर अपने विचार लिखिए।

7. "न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्य" इस मन्त्रांश पर टिप्पणी लिखिए।

8. "वैदिक संस्कृति" अथवा "सा संस्कृतिः प्रथमा विश्ववारा" विषय पर लघु निबन्ध लिखिए।